सीएमपीडीआई ऊर्जा क्षेत्र में अपनी परामर्शी सेवा से राष्ट्र की सेवा कर रहा है : श्री देबनाथ

राष्ट्र के उत्तरोत्तर विकास में ऊर्जा की नितांत आवश्यकता है। ऊर्जा के क्षेत्र में कार्यरत समूचे कोयला उद्योग खासकर, कोल इंडिया को सीएमपीडीआई अपनी परामर्शी सेवा उपलब्ध करा रहा है। 15 अगस्त, 2013 को स्वाधीनता दिवस के अवसर पर ध्जारोहण के पश्चात् अपने अभिभाषण में उक्त बातें सीएमपीडीआई के अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक श्री ए0के0 दबनाथ ने कही।

श्री देबनाथ ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के इस अवसर पर हम यह कहते हुए गौरवान्वित महसूस करते हैं कि वित्तीय वर्ष 2013–14 के जुलाई महीने तक 9 लाख मीटर के एमओयू लक्ष्य के मुकाबले 2 लाख 16 हजार मीटर ड्रिलिंग की जा चुकी है। इसमें से करीब 97 हजार मीटर (14 प्रतिशत वृद्धि के साथ) ड्रिलिंग विभागीय संसाधन के माध्यम से किया गया है। 198 रिपोर्ट एमओयू लक्ष्य के मुकाबले जुलाई, 13 तक 50 रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है। 22 करोड़ रूपये के एमओयू लक्ष्य के मुकाबले 4.42 करोड़ रूपये मूल्य के सीआईएल के 8 परामर्शी कार्य प्राप्त किए जा चुके हैं। 2013–14 एमओयू में 751 करोड़ रूपये टर्नओवर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जो गत वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है।

उन्होंने कहा कि पुनर्नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में ग्रीन एनर्जी खासकर, सौर ऊर्जा के उपयोग का पता लगाना /खोजना समय की मांग है। सौर ऊर्जा परियोजना के लिए गुजरात एनर्जी रिसर्च एंड मैनेजमेंट इन्स्टीच्यूट (जर्मी) के साथ एमओयू हुआ था। इस परियोजना को सीआईएल बोर्ड ने अनुमोदित कर दिया है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य सीएमपीडीआई परिसर में सौर ऊर्जा आधारित माइको ग्रीड का विकास करना है। इस सौर संयंत्र की क्षमता लगभग 200 के डब्ल्यू होगी। इस संयंत्र का अधिकांश भाग मुख्य कार्यालय भवन के छत पर लगाया जाएगा जबकि शेष भाग सी एवं डी टाइप आवासीय भवन के विभिन्न बहुमंजीला इमारतों के छत पर लगाया जाएगा। इससे सीएमपीडीआई की करीब 40 प्रतिशत बिजली की आवश्यकता पूरी होने की संभावना है।

श्री देबनाथ ने कहा कि सामाजिक दायित्व स्कीम के तहत चालू वित्त वर्ष में 1 करोड़ 82 लाख रूपये का बजट रखा गया है तथा विवेच्य अवधि में वार्षिक कार्य योजना के अनुसार सीएसआर पर कार्य किए जा रहे हैं। वर्ष 2012–13 के दौरान सीएसआर पर 106 लाख रूपये खर्च किए गए जो आज की तिथि तक सर्वाधिक है।

उन्होंने कहा कि चालू माह में कोल इंडिया बोर्ड द्वारा वर्ष 2011–12 में सीएमपीडीआई द्वारा भारत में प्लानिंग की गई 50 मिलियन टन प्रतिवर्ष क्षमता की सबसे बड़ी खुली खदान कुसमुण्डा ओपेन कास्ट विस्तारण परियोजना रिपोर्ट अनुमोदित कर दी गई। खनन से संबंधित क्षेत्र में पारस्परिक हित में संयुक्त प्रयास के लिए सीएसआईआरओ, ऑस्ट्रेलिया के साथ जून, 2013 में एक एमओयू किया गया। इसके अलावा एमओआईएल, एचसीएल, हट्टी गोल्ड माइन आदि के लिए पहले से ही काम कर रहा है।

श्री देबनाथ ने कहा कि मुख्यालय, रांची स्थित पेट्रोग्राफी प्रयोगशाला में नए उपकरण लगाकर उसे उन्नत किया गया है जबकि क्षेत्रीय संस्थान–5, बिलासपुर एवं क्षेत्रीय संस्थान–7, भुवनेश्वर के नव निर्मित भवन में नई रासायनिक प्रयोगशाला को भी चालू कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि सीएमपीडीआई के लिए यह गर्व की बात है कि भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के उपकमों के इतिहास में पहली बार इलेक्ट्रॉनिक मोड में एनसीएल, सिंगरौली के जयंत परियोजना में कोल हैंडलिंग प्लांट (सीएचपी) के निर्माण के लिए टर्न–की टेंडर की शुरूआत की गई है। अन्य कार्यों और सेवाओं से संबंधित निविदाओं के अतिरिक्त ईपीएस के जरिए कोल हैंडलिंग प्लांट और कोयला वाशरियों से संबंधित सभी टर्न–की निविदाओं को भी यथासमय पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन सब चुनौतियों का सामना सीएमपीडीआई के सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण कंधे से कंधा मिलाकर करेंगे ताकि राष्ट्र–निर्माण के स्वर्णिम लक्ष्य प्राप्त हो।